15|40 II nd

No. of Printed Pages : 2

SAP-04

2020

SAP
SET-4
हिंदी आशुलिपि

(गति : 80 शब्द प्रति मिनट)

निर्धारित समय : पाँच मिनट] *[पूर्णांक : 135*

उपसभापति महोदय, में आशा करता हूँ कि आप मुझे थोड़ा-सा ज्यादा समय देंगे क्योंकि मुझे अपने संशोधनों को भी / स्पष्ट करना पड़ेगा । मैंने जो संशोधन रखा है, उसमें पहली बात यह है कि चीनी की एक्स फैक्ट्री ¼
प्राईस अर्थात् // कारखाने से निकलते वक्त कीमत 300 रुपये प्रति कुन्तल हो । दूसरा संशोधन यह है कि चीनी के ½
वितरण पर अब /// नियंत्रण को ढीला किया जाय; क्योंकि चीनी का उत्पादन बहुत बढ़ गया है । तीसरी बात यह ¾
है कि गन्ने की (1) कीमत 200 रुपये प्रति कुन्तल हो और चौथी बात यह है कि चीनी का निर्यात चीनी के (1)
उपभोक्ताओं के ऊपर / ज्यादा भार डाल कर न किया जाय । मैं इन प्रश्नों को आपके सामने स्पष्ट करना चाहता हूँ । ¼

यदि इस संबंध // में सारी स्थिति को समझ लिया जाय तो यह स्पष्ट हो जायेगा कि वितरण पर नियंत्रण को ½
ढीला करने का /// यदि कोई विरोध करता है तो वह गलत बात है । चीनी के कारखाने वाले भी यह चाहते हैं कि ¾
सरकार (2) ने जो कीमत चीनी की निर्धारित की है, भाव उससे कम न होने पाये । वितरण पर जिस तरह का (2)
नियंत्रण / आज रखा हुआ है यदि उसको कमजोर किया जाय तो निश्चित रूप से कारखानों से जिस कीमत पर ¼
चीनी बिक // रही है, उस पर वह नहीं बिक सकेगी । यह कहा गया है कि चीनी का उत्पादन बहुत अधिक हुआ ½
है । /// और आशा की जाती है कि अगले साल उत्पादन इससे भी अधिक होगा । यह बहुत अधिक खुशी की ¾
बात है । (3) जब इस सदन में चीनी के बारे में बहस हुई है कि चीनी का उत्पादन जितना होना चाहिए, उतना (3)

नहीं / हुआ है । यह बड़ी खुशी की बात है कि अब चीनी का उत्पादन आशा से अधिक हो गया है । ¼

इस // कार्य में गन्ना किसानों का बहुत बड़ा योगदान है । कल मंत्री महोदय ने एक दूसरे विषय पर चर्चा करते हुए ½

/// यह सही बात कही थी कि उनके सामने समस्या यह है कि चीनी का जो उत्पादन हो गया है ¾

उसको (4) वह क्या करें ? उस चीनी को इस मुल्क में खपाये या उसका निर्यात करने के बारे में विचार करें । इस (4)

विषय / में, मैं यह कहना चाहता हूँ कि चीनी के उत्पादन व्यय के संबंध में उस समय जो टैरिफ कमीशन ¼

तय // कराया गया उसमें सभी मामलों में अच्छी तरह विचार नहीं किया गया । अच्छा तो यही होता कि टैरिफ ½

कमीशन की /// रिपोर्ट पर इस सदन में विचार और विस्तार से चर्चा की जाती इससे किसानों को बहुत ज्यादा ¾

फायदा होता, जो (5) अच्छी बात है । (5)